सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 319 | इंदौर, शनिवार 06 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा-भरा रखने के लिए लगायें पेड़ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाये एक लाख पौधे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढ़ियों के भविष्य को बचाये रखने के लिये पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंडराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपेक्स बैंक परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान अंतर्गत आम का पौधा भी रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'बिना सहकार, नहीं उद्धार' का नारा उदघोष करते हुए कहा कि हम प्रदेश में सहकारिता से समृद्धि लाने के लिए प्रयासरत है। दूध का उत्पादन बढ़ाकर हम किसानों, पशुपालकों का जीवन सँवारेंगे और मध्यप्रदेश को देश की 'मिल्क कैपिटल'' बनायेंगे। अपेक्स बैंक द्वारा प्रदेशव्यापी हरित सहकार अभियान चलाया जा रहा है। इसमें 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पेक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसायटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जायेगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पायें और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें।

राहुल गांधी के 'नटराजन दांव' से एमपी कांग्रेस में बगावत!

बीजेपी ने दिया 'तीसरा उम्मीदवार' तो खतरे में आ जाएगी सीट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों के नाम घोषित होते ही सुगबुगाहट तेज हो गई। कांग्रेस ने राहुल गांधी कैंप से जुड़ी मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही पार्टी के अंदरखानों और विधायकों में बागवत के स्वर सुनाई देने लगे। उधर मोदी कैबिनेट के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पार्टी के तीसरे प्रत्याशी की बात कहकर कांग्रेस की बैचेनी बड़ा दी। कयास लगाए जा रहे हैं कि यदि भाजपा ने तीसरा प्रत्याशी उतार दिया तो कांग्रेस के लिए क्रॉस वोटिंग का खतरा बढ़ जाएगा।

मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर राज्यसभा चुनाव को लेकर गर्मी में सियासी पारा हाई हो गया है। 18 जून 2026 को होने वाले इस चुनाव के लिए कांग्रेस हाईकमान ने जैसे ही राहुल गांधी की सबसे भरोसेमंद और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन के नाम पर मुहर लगाई, वैसे ही एमपी कांग्रेस के भीतर असंतोष का धुंआ उठता दिखाई देने लगा। दिल्ली की इस पसंद ने भोपाल में बैठे कांग्रेस विधायकों और क्षेत्रीय क्षत्रपों के बीच बेचैनी पैदा कर दी है। इसी अंदरूनी रार को भांपते हुए बीजेपी के दिग्गज नेता और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 'तीसरे उम्मीदवार' को लेकर जो संकेत दिए हैं, उसने कांग्रेस खेमे में क्रॉस वोटिंग और राज्यसभा सीट हाथ से जाने का डर पैदा कर दिया है।

भाजपा ने यदि 'पॉलिटिक्स' चली तो कांग्रेस की सीट पर संकट

साल 2009 में मंदसौर से लोकसभा सांसद रहीं मीनाक्षी नटराजन को संगठन के प्रति उनकी वैचारिक निष्ठा का इनाम मिला है। वे लंबे समय से राहुल गांधी के कोर ग्रुप का हिस्सा रही हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पिछले एक दशक से मध्य प्रदेश की सक्रिय और गुटीय राजनीति में उनकी पकड़ बेहद सीमित रही है। यही वजह है कि उनकी उम्मीदवारी का ऐलान होते ही पार्टी के भीतर से ही विरोध के स्वर मुखर होने लगे हैं। बता दें कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो सोशल मीडिया पर सीधे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को टैग करते हुए इस फैसले को 'बड़ी भूल' करार दे दिया। नेताओं का मानना है कि अगर दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा भेजा जाता, तो सीट पूरी तरह सुरक्षित रहती, क्योंकि विधायकों पर राजा साहब की व्यक्तिगत पकड़ निर्विवाद है। मीनाक्षी नटराजन के नाम पर विधायकों में वैसी सर्वसम्मति नहीं है, जिससे बगावत की पूरी गुंजाइश बन रही है।

कांग्रेस के पास सिर्फ 7 वोटों का सुरक्षा कवच!

आंकड़ों के खेल पर नजर डालें तो कांग्रेस इस समय बेहद पतली पिच पर बैटिंग कर रही है। कांग्रेस के पास अपनी सीट बचाने के लिए महज 7 अतिरिक्त वोटों का ही सुरक्षा कवच है। अगर बीजेपी अपने बचे हुए अतिरिक्त वोटों के दम पर 'तीसरा उम्मीदवार' मैदान में उतार देती है, तो मुकाबला वफादारी बनाम सेंधमारी का हो जाएगा।

● कैलाश विजयवर्गीय का बड़ा बयान

'अगर पार्टी तीसरा उम्मीदवार उतारने का फैसला करती है, तो बीजेपी उसे भी जिताने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगी।' विजयवर्गीय के इस बयान ने साफ कर दिया है कि बीजेपी इस चुनाव को वॉकओवर देने के मूड में बिल्कुल नहीं है और उसकी नजर कांग्रेस के असंतुष्ट विधायकों पर टिकी है। यदि अगले तीन दिन में पार्टी ने तीसरे प्रत्याशी का खेला किया तो कांग्रेस क्रॉस वोटिंग का शिकार होकर अपनी यह सीट गंवा सकती है।

● भोपाल से दिल्ली तक बढ़ी धड़कनें

मीनाक्षी नटराजन के नाम पर शुरू हुई इस अंदरूनी कलह ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को अलर्ट मोड पर ला दिया है। बीजेपी की नजरें अब इस बात पर हैं कि स्क्रूटनी और नाम वापसी के आखिरी दिनों तक कांग्रेस के भीतर यह असंतोष कितना और भड़कता है। अगर कांग्रेस अपने कुनबे को एकजुट नहीं रख पाई, तो 18 जून को मध्य प्रदेश में एक बार फिर बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिल सकता है।

70 पानी की टंकियों पर लगे सीसीटीवी कैमरे

अब निजी टैंकर टंकियों से नहीं भर पाएंगे पानी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम ने अब पानी की टंकियों पर हाईटेक निगरानी शुरू कर दी है। लंबे समय से यह शिकायत मिल रही थी कि टंकियों पर वे टैंकर भी भरे जा रहे हैं, जो नगर निगम में अटैच नहीं हैं, लेकिन इसके सबूत नहीं मिलते थे। अब दूसरे टैंकर निगम की टंकियों से पानी नहीं भर पाएंगे। इंदौर की 70 टंकियों पर सीसीटीवी कैमरे लग गए हैं और टंकियों पर निगरानी रखने के लिए कंट्रोल रूम में व्यवस्था भी की गई है।

इंदौर में 100 से ज्यादा पानी की टंकियां अलग-अलग इलाकों में बनी हैं। गर्मी के दिनों में जब जल संकट होता है, तो नगर निगम के टैंकर पानी की टंकियों से पानी भरते हैं और गलियों में बांटते हैं। नगर निगम ने साढ़े पांच सौ निजी टैंकर भी अटैच किए हैं। इसके अलावा शहर में एक हजार से ज्यादा निजी टैंकर भी पानी बेच रहे हैं। इनमें से कई चालक पानी भरने के लिए निगम की टंकियों का उपयोग भी कर रहे थे। पिछले दिनों बजरंग नगर की पानी की टंकी से ऐसे ही एक टैंकर के पानी भरने का पता अधिकारियों को चला था। टंकी क्षेत्र के एक घर के सामने स्थित मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी चोरी-छिपे पानी भरने वाला टैंकर कैद हो गया था। इसके बाद निगमायुक्त ने तीन मस्टरकर्मियों की सेवा समाप्त कर दी। पानी की टंकियों पर रात के समय पानी चोरी करने का काम होता है। ज्यादातर निजी टैंकर रात के समय टंकियों पर आते हैं और पानी भरकर ले जाते हैं। टंकी पर तैनात कर्मचारियों से उनकी सांठगांठ रहती है। कई बार क्षेत्रीय पार्षद व जनप्रतिनिधि भी दबाव बनाकर निजी टैंकरों में पानी भरवा देते हैं।

‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत पौधे लगाए

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा-21 लाख पौधे रोपेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को इंदौर में पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘‘एक पेड़ मां के नाम’’ अभियान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ‘‘एक बगिया मां के नाम’’ कल्पना के तहत शहर के कई क्षेत्रों में पौधारोपण किया गया। वहीं वार्ड 20 के गौरी नगर में वर्षा जल संचयन और वाटर रिचार्जिंग को लेकर जनभागीदारी आधारित अभियान चर्चा का केंद्र रहा।

संभागीय शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) नंदानगर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ विधायक रमेश मेंदोला, सभापति मुन्नालाल यादव, जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर, पार्षद मनोज मिश्रा और वीरेंद्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने

पौधारोपण किया। इस अवसर पर कैलाश विजयवर्गीय ने हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने का संकल्प लेते हुए 21 लाख पौधे लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व भी है। कार्यक्रम में आईटीआई की प्राचार्य रीना सोलंकी, प्रशिक्षण अधिकारी संजय जैन, शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। वार्ड 23 स्थित शासकीय विद्यालय क्र 8 में भी ‘एक बगिया मां के नाम’ अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में विधायक रमेश मेंदोला, उद्यान एवं जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर तथा पार्षद विनिता धर्मेंद्र मौर्य ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय रहवासियों ने भी इस अभियान में भाग लेकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। वरिष्ठ पार्षद एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने वार्ड क्रमांक 32 में पौधारोपण किया। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर मंडल के पदाधिकारी, बूथ कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण के महत्व पर भी चर्चा की गई।

गौरी नगर में अनूठी पहल

जहां एक ओर शहर में पौधारोपण अभियान चलाया गया, वहीं वार्ड 20 के गोरी नगर में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय पहल देखने को मिली। पार्षद अमित पटेल, पूर्व सेवादल अध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल और यूथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष अमित पटेल के नेतृत्व में क्षेत्र में वाटर हार्वेस्टिंग और वाटर रिचार्जिंग का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक वार्ड की 8 से 10 गलियों में 150 से अधिक वाटर रिचार्जिंग सिस्टम स्थापित किया जा चुका है। नागरिक स्वयं 5 से 6 हजार रुपए खर्च कर अपने घरों और मोहल्लों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था बना रहे हैं। अभियान से जुड़े लोगों का लक्ष्य वार्ड 20 को 100% वाटर रिचार्जिंग युक्त वार्ड बनाना है। पार्षद अमित पटेल ने कहा कि जल संकट का स्थायी समाधान नए जल स्रोत खोजना नहीं, बल्कि वर्षा जल को जमीन में वापस पहुंचाना है। यदि हर नागरिक इस दिशा में कदम बढ़ाए तो भविष्य में पानी की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय तथा पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास परिसर खण्ड़वा रोड़ में किया गया पौधारोपण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को‘एक पेड़ मां के नाम‘ अभियान का शुभारंभ किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, किला भवन, इंदौर में ‘एक पेड़ माँ के नाम‘ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव के संरक्षण तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा संपन्न हुआ।

पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में आम, जामुन, गूलर एवं जाम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। विशेष बात यह रही कि सभी पौधे महाविद्यालय परिसर में प्राकृतिक रूप से प्राप्त बीजों से तैयार किए गए हैं। पौधारोपण का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में डॉ. एस.एन. ठाकुर, डॉ. शीतल झा, डॉ. अब्दुल वाहिद, यतिन वाबले, डॉ. अमरीश निगम, डॉ. आशीष कपूर, डॉ. संध्या दावरे, डॉ. सुनीता राज, महाविद्यालय की छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय इको क्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं जैव विविधता के महत्व के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उपस्थितजनों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी लिया।

पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा माय भारत मिशन के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय 500 सीटर पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास, खंडवा रोड, इंदौर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास परिसर में पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थी बालिकाओं ने पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर अनिल सोनी (सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग), पंकज गोस्वामी (डिप्टी डायरेक्टर, माय भारत), शैलेंद्र अत्रे (निरीक्षक, पिछड़ा वर्ग), खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती लीना श्रीवास, पुलिस विभाग के अधिकारी तथा शौर्य संकल्प प्रशिक्षण की बालिकाएं उपस्थित रहीं।

अधिकारी मैदान पर जाकर कार्य करें और सतत् निगरानी रखें - संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े

दुग्ध संघ दूध उत्पादकों से घर घर जाकर दूध संग्रह करें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय में रबी 2025-26 एवं खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी बोर्ड, पशुपालन विभाग, इंदौर दुग्ध संघ आदि विभागों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है और यह वर्ष कृषि कल्याण वर्ष है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों के हित में विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलायी जा रही है, इनका लाभ सभी किसानों को मिले। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए। किसानों को समय पर उर्वरक मिले, मानक स्तर के बीज उपलब्ध कराया जाए तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाए।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयसीमा में समन्वय के साथ कार्य करें। अधिकारी मैदान पर जाकर सतत् निगरानी रखें। कार्य में अनुशासनहीनता नहीं बरते। उन्होंने इंदौर दुग्ध संघ के अधिकारियों को कहा कि वे घर-घर जाकर दूध उत्पादकों से दूध का संग्रहण करें। दूध उत्पादकों को समय पर भुगतान करें। दुधारू पशुओं की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा चलायी जा रही डॉ. भीमराव अम्बेड़कर कामधेनु योजना का ठीक से प्रचार-प्रसार करें। इस योजना में किसानों को शासकीय अनुदान का प्रावधान है और इसके लिए बैंकों द्वारा चयनित प्रकरणों को ऋण भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध करायें, ताकि वे अधिक से अधिक लाभ ले सकें।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्रीमती शिवानी वर्मा सहित कृषि विभाग, भारतीय कपास निगम लिमिटेड, उद्योग विभाग, राज्य तिलहन उत्पादक संघ, बीज निगम, मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी बोर्ड, पशुपालन विभाग, इंदौर दुग्ध संघ आदि विभागों के संयुक्त संचालक, सहायक संचालक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि इंदौर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा अब तक 232 नई समितियों का गठन किया गया है। साथ ही 9 मिल्क रूट प्रारंभ किए गए है। संघ द्वारा भारत सरकार की एनपीडीडी परियोजना के अंतर्गत दूध की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए बीएमसी की स्थापना की गई है। संघ द्वारा एनपीडीडी परियोजना के अंतर्गत नवीन दुग्ध समिति का गठन कर आधुनिक दूध परीक्षण उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे है। बैठक में बताया गया कि मण्डी बोर्ड में ई-अनुज्ञा प्रणाली संचालित की जा रही है, जिसमें किसान की एंनट्री से लेकर अनुबंध तौल से लेकर ब्रिकी प्रमाणक आदि कार्य शामिल है। मण्डी बोर्ड में एमपी फार्म गेट के तहत एंड्रॉयड आधारित एप्लीकेशन है, जिससे किसानों को अपनी कृषि उपज सीधे अपने घर या खलिहान से बेचने की सुविधा प्रदान के उद्देश्य से बनायी गई है।

मूक-बधिर विद्यार्थियों के लिए आईटीआई में प्रवेश प्रारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शासकीय संभागीय आईटीआई, इंदौर के अंतर्गत संचालित पीएच आईटीआई में मूक-बधिर विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (सीओपीए) ट्रेड में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह कोर्स विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। संस्थान में सीओपीए ट्रेड की कुल 24 सीटें उपलब्ध हैं। एक वर्ष अवधि वाले इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। संस्थान द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए छात्र एवं छात्राओं दोनों के लिए सुरक्षित हॉस्टल व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। साथ ही मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ भी पात्र विद्यार्थियों को प्रदान किया जाएगा। संस्थान प्रबंधन ने इच्छुक मूक-बधिर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से जल्द से जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है। प्रवेश के लिए अभ्यर्थी अपने निकटतम आईटीआई केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं अथवा एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

शोरूम में आग, बिल्डिंग में 6 परिवारों के 20 लोग फंस गए

पड़ोसियों ने छत से सीढ़ियां जोड़कर रास्ता बनाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में इलेक्ट्रिक वाहनों के शोरूम में आग लग गई। बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर रहने वाले 6 परिवारों के 20 लोग फंस गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने पड़ोसियों की मदद से सीढ़ियों और रस्सियों के सहारे उनको बाहर निकाला।

हादसा लसूड़िया इलाके में खालसा चौक के पास शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को इसकी वजह माना जा रहा है। बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर बने फ्लैट्स में लोग सो रहे थे। धुआं भरने पर सांस लेने में तकलीफ हुई तो उनकी नींद खुली। उन्होंने नीचे देखा तो शोरूम से लपटें उठ रही थीं। इसी के बगल में सीढ़ियां बनी हैं, जिनके लपटों में घिर जाने के कारण ऊपर की मंजिलों से लोग नीचे नहीं सके।

चीख-पुकार सुनकर पड़ोस की मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में रहने वाले लोग बाहर आए। उन्होंने सीढ़ियों और रस्सियों का इंतजाम किया। आग में फंसे लोगों को छत पर आने के लिए कहा। लोगों ने दोनों छतों के बीच सीढ़ियां जोड़कर रास्ता बनाया। खिड़कियों और एंगल से रस्सियां बांधकर दूसरी तरफ फेंकी। आग में फंसे कुछ लोग इन सीढ़ियों से दूसरी बिल्डिंग की छत पर पहुंचे। कुछ लोग रस्सियों के सहारे नीचे उतरे। राहत की बात यह रही कि आग किसी भी फ्लैट तक नहीं पहुंची, जिससे घरेलू सामान सुरक्षित बच गया। हालांकि, शोरूम में रखे सभी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन जल गए।

फायर ब्रिगेड अधिकारी शोभाराम मालवीय ने बताया कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। करीब एक घंटे में दो टैंकर पानी की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। मामले की जांच कर रहे हैं। भानु सिंह और निशा सिंह ने बताया कि वे मूल रूप से शिवपुरी के रहने वाले हैं। ढाई साल पहले इंदौर आकर बसे हैं। भानु निजी कंपनी में काम करते हैं। जब आग लगी, तब उनकी नींद लगी हुई थी। जब लोगों ने खिड़कियों से पत्थर फेंके तो वे बालकनी से बाहर निकले। चेतन बेंगलुरू के रहने वाले हैं, खुद का स्टार्टअप है। इंदौर में किराए का फ्लैट लेकर रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे भी शोर सुनकर ही जागे थे। हादसे के बाद सभी लोग यहां से निकलकर अपने परिचितों के पास चले गए हैं। भानु सिंह के मुताबिक, बिल्डिंग में 9 फ्लैट हैं। 2 से 3 में ही परिवार रहते थे। नीचे कुछ लोग बाहर निकलकर आ चुके थे। बगल वाली बिल्डिंग खाली थी। आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से यहीं से लोगों को बाहर निकाला था। ज्यादातर लोग सीढ़ियों से नीचे आ गए थे। भानु सिंह के परिवार का रेस्क्यू करना पड़ा। पड़ोस की बिल्डिंग के चौकीदार प्रवीण ने बताया कि दुबई से आई एक फैमिली 203 या 204 फ्लैट में ठहरे थे। सुबह बारिश हो रही थी, वो नजारा देखने के लिए उठे थे, तभी उन्हें धुआं दिखाई दिया। उन्होंने बिल्डिंग के फ्लैट वालों को सूचित किया और फिर लोग बाहर भागने लगे।

पत्नी से विवाद के बाद शराब दुकान के पास खाली मैदान में खड़े डंपर में लगाया फंदा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र में एक युवक ने शराब दुकान के पीछे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। घटना से पहले वह पत्नी को मनाने ससुराल गया था, जहां उसकी कहासुनी हो गई थी।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान अमीर (36) पुत्र तेजराम पाल निवासी आठ मील के रूप में हुई है। अमीर कथास्थलों पर अंगूठी और माला बेचने का काम करता था। उसका परिवार मूल रूप से भोपाल का रहने वाला है। परिजनों ने बताया कि अमीर की पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ मायके में रह रही थी। गुरुवार को अमीर उसे लेने ससुराल पहुंचा था। इसी दौरान पत्नी को साथ ले जाने की बात पर उसकी काका ससुर से बहस हो गई। विवाद के बाद अमीर वहां से निकल गया। बताया जा रहा है कि इसके बाद वह एक शराब दुकान पहुंचा, जहां उसने शराब पी। बाद में दुकान के पीछे खड़े डंपर से फांसी लगाकर जान दे दी। परिवार के मुताबिक आत्महत्या से पहले अमीर ने अपनी पत्नी को फोन भी किया था। जब परिजन मौके पर पहुंचे और उसे फंदे से उतारा गया, तब मोबाइल चालू हालत में था। पुलिस ने मामला जांच में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया गया।

कैफे में युवक की चाकू मारकर हत्या

पहले दोस्तों को मारपीट कर भगाया, फिर किए चाकू से वार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 12 बजे एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात विदुर नगर के 60 फीट रोड स्थित एक कैफे पर हुई, जहां चार बदमाशों ने पहले युवक के दोस्तों के साथ मारपीट की और फिर मुख्य आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान क्रिश पुत्र मुकेश श्रीवास्तव निवासी विदुर नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में अंकित पाल, अनिकेत पाल, गौरव काला और शिवा उर्फ शिवम पाल को आरोपी बनाया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच के बाद

आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। चारों को हिरासत में ले लिया गया है। इनमें से गौरव पर चार और अंकित पर दो अपराध पहले से दर्ज हैं।द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात कैफे पर चाकूबाजी की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आरोपियों ने क्रिश पर चाकू और डंडों से हमला किया था। परिजन उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल, एसीपी शिवेंदु जोशी और टीआई मनीष मिश्रा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। घटना के समय क्रिश अपने दोस्तों चेतन और आदर्श के साथ कैफे में बैठा था। इसी दौरान आरोपी बाइक से वहां पहुंचे और आते ही विवाद करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने हथियार निकाल लिए, जिससे डरकर चेतन और आदर्श वहां से भाग गए। इसके बाद बदमाशों ने क्रिश पर चाकू और डंडों से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का विवाद सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर पहले भी मृतक और आरोपियों के बीच विवाद हो चुका था। क्रिश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह पहले चोइथराम मंडी में बिलिंग का काम करता था, लेकिन पिछले तीन महीनों से बेरोजगार था। परिवार में उसकी मां रोशनी और बड़ी बहन हैं, जबकि पिता महेंद्र मंडी में सब्जी बेचने का काम करते हैं। बेटे की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और पूरे मामले की जांच जारी है।

प्री मानसून का असर

तड़के हुई आधा इंच बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अभी प्री मानसून का दौर चल रहा है। चार दिनों से दिन का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस पर है लेकिन गुरवार को आधी रात के बाद मौसम बदला, जिससे तापमान में 6 डिग्री की गिरावट आई है। इसके बाद शुक्रवार तड़के अधिकांश हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 15.6 मिमी (आधा इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई है। शुक्रवार सुबह से बादल छाने के साथ कहीं-कहीं रिमझिम तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी का दौर चल रहा है। बुधवार को दिन का तापमान 38.5 (-2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। फिर गुरुवार को भी लगभग इतना ही 38.4 (-2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रात का तापमान 25.8 (0) डिग्री सेल्सियस था दो कई दिनों बाद सामान्य पर आया था। इसके बाद गुरवार रात इसमें 6 डिग्री की गिरावट आई और 19.0C (-6) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आज इंदौर और उसके आसपास के क्षेत्रों में मिलाजुला मौसम रहेगा। इस दौरान कहीं बारिश, कहीं रिमझिम तो कहीं बूंदाबांदी का दौर चलता रहेगा। फिलहाल मौसम में ठंडक घुली हुई है।

हनी ट्रैप-2 मामले में आरोपी विनोद शर्मा को झटका

जिला कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। चर्चित हनी ट्रैप-2 प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी विनोद शर्मा को जिला कोर्ट से राहत नहीं मिली है। जिला कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसकी जमानत याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया उपलब्ध साक्ष्यों और पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया।

हनी ट्रैप-2 मामले की जांच के दौरान पुलिस ने विनोद शर्मा को सह-आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह मामला केवल ब्लैकमेलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सुनियोजित तरीके से लोगों को जाल में फंसाकर उनसे बड़ी रकम वसूलने का प्रयास किया गया। मामले में कई अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। जमानत सुनवाई के दौरान शासन की ओर से जिला लोक अभियोजक अभिजीत सिंह राठौर ने कोर्ट को बताया कि याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि मामला गंभीर प्रकृति का है और आरोपी की भूमिका जांच में सामने आई है। अभियोजन ने कहा कि यदि आरोपी को जमानत दी जाती है तो वह साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। मामले की निष्पक्ष जांच प्रभावित होने की आशंका है। विनोद शर्मा इंदौर पुलिस की इंटेलिजेंस शाखा में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल था। क्राइम ब्रांच की जांच में आरोप है कि वह हनी ट्रैप गिरोह के संपर्क में था और पूरे घटनाक्रम की रणनीति बनाने तथा सलाह देने में शामिल था। पुलिस के अनुसार, उसका मुख्य आरोपी अलका दीक्षित से लगातार संपर्क था। जांच में मिले चैट और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोप है कि कारोबारी से जुड़े फोटो, वीडियो और अन्य जानकारियां उसके साथ साझा की जाती थीं, जिनके आधार पर आगे की ब्लैकमेलिंग की रणनीति बनाई जाती थी। यह भी सामने आया कि गिरोह की महिलाएं उसे 'जीजा' कहकर संबोधित करती थीं और आगे की कार्रवाई को लेकर उससे सलाह लेती थीं। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, शराब कारोबारी हितेंद्र सिंह चौहान उर्फ चिंटू ठाकुर से कथित ब्लैकमेलिंग और एक करोड़ रुपए की मांग के मामले की जांच के दौरान विनोद शर्मा की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया।

इंदौर और भोपाल मेट्रो रेल परियोजनाओं के हुए दो तिहाई कार्य पूरे

मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का लें सहयोग : डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल संचालन के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण होने के बाद परियोजना के आगामी चरणों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। सघन आबादी के क्षेत्रों और कामकाजी नागरिकों की सुगम आवाजाही के लिए मेट्रो रेल व्यवस्था एक वरदान है।

प्रदेश की राजधानी भोपाल और प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र इंदौर में मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। दोनों नगरों की मेट्रो रेल परियोजना के सभी चरणों के सम्पूर्ण कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। समग्र प्रगति की दृष्टि से दोनों परियोजनाओं के दो तिहाई कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में भोपाल और इंदौर के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

विद्यार्थियों की अध्ययन यात्रा से भी जोड़ें मेट्रो परियोजना को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भी बन रहे हैं। प्रमुख धार्मिक केंद्रों, पर्यटन स्थलों, पुरातात्विक धरोहर स्थलों और टाइगर रिजर्व एवं अभयारण्य की सैर के लिए विद्यार्थियों सहित अन्य नागरिकों के लिए प्रबंध होने से मेट्रो रेल का उपयोग बढ़ेगा। इन प्रयासों में पर्यटन विभाग सहित मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

भोपाल मेट्रो परियोजना

बैठक में बताया गया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में फेज़-1 में सुभाष नगर से एम्स तक दिसम्बर 2025 से संचालन हो रहा है। इस ट्रेक पर 7.1 किलोमीटर क्षेत्र में 8 एलिवेटेड स्टेशन बनाए गए हैं। फेज़-2 में सुभाष नगर से करोंद चौराहा तक 9.64 से किलोमीटर सेक्शन में कार्य हो रहा है, जो जून 2028 तक पूर्ण होना प्रस्तावित है। इस सेक्शन में 6 एलिवेटेड और दो भूमिगत स्टेशन होंगे। इसी तरह फेज़-3 में भदभदा चौराहा से रत्नागिरी चौराहे तक 14.16 लम्बाई के सेक्शन में कार्य हो रहा है। इस सेक्शन में 13 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। यह कार्य भी आने वाले 2 वर्ष में पूर्ण होगा।

इंदौर मेट्रो रियोजना

बैठक में बताया गया कि इंदौर मेट्रो रेल परियोजना में फेज-1 के रीच वन में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक 5.26 किलोमीटर के सेक्शन का शुभारंभ मई 20 25 में हो चुका है। फेज-1 के रीच-2 में सुपर कॉरिडोर 3 से मालवीय नगर चौराहे तक 11.43 किलोमीटर के सेक्शन के कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। फेज-2 के अंतर्गत रीच-1 में शहीद बगीचा से खजराना चौराहा तक 1.77 किलोमीटर सेक्शन के कार्य और फेज-2 के ही रीच-2 के एयर पोर्ट से गांधी नगर तक 1.5 किलोमीटर सेक्शन के कार्य जून 2028 तक पूर्ण होंगे। फेज-3 में खजराना चौराहा से एयरपोर्ट के 11.59 किलोमीटर लम्बाई के सेक्शन के कार्य होंगे। बैठक में नगरों में भविष्य में क्रियान्वित किए जाने वाले फ्लाई ओवर निर्माण, मेट्रो रेल और सड़क निर्माण के कार्यों के संबंध में भी चर्चा हुई।

11 दिन की मौन साधना में लीन हुईं साध्वी हर्षानंद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। महाकुंभ से चर्चा में आईं मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया उर्फ साध्वी हर्षानंद गिरि शुक्रवार से 11 दिवसीय एकांत साधना में चली गई हैं। जबलपुर के मां नर्मदा तट स्थित गौरीघाट पर पूजा-अर्चना के साथ उन्होंने मौन व्रत और एकांतवास की शुरुआत की।

एकांत साधना पर जाने से पहले साध्वी हर्षानंद गिरि ने कहा कि वर्तमान समय युद्ध और अशांति का दौर है। देश की जनता को महंगाई से राहत मिले और भारत हिंदू राष्ट्र बने, इसी कामना के साथ वह यह विशेष साधना कर रही हैं। उन्होंने बताया कि अब वह 11 दिनों तक मौन व्रत में रहेंगी और 15 जून को गौरीघाट पर ही साधना पूर्ण होने के बाद लोगों से संवाद करेंगी। 15 तारीख को 11 दिन पूर्ण होने पर शाम को साध्वी हर्षानंद गौरीघाट पहुंचेंगी, और आरती के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ ही साधना को विराम दिया जाएगा। उनका कहना है कि अगर 2 उद्देश्य भी पूर्ण हो जाते हैं तो जल्दी ही वो नर्मदा जी की पैदल परिक्रमा पर निकल जायेंगी। साध्वी हर्षानंद गिरि 11 दिवसीय मौनव्रत के साथ ही 11 दिवसीय अन्न त्याग, 11 दिवसीय जूते चप्पल का त्याग और 11 दिवसीय एकांत एवं मौन ध्यान साधना मां नर्मदा के तट पर करने का संकल्प लिया है।

सहमति से संबंध के बाद दुष्कर्म का आरोप गलत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की ग्रीष्म अवकाशकालीन एकलपीठ ने शादीशुदा से पांच वर्ष तक संबंध के बाद दुष्कर्म का आरोप मढ़े जाने के मामले में आरोपित को अग्रिम जमानत का लाभ दे दिया। कोर्ट ने साफ किया कि दोनों पक्ष बालिग हैं और संबंध में अपनी मर्जी से शामिल थे। हालांकि, यह निर्देश दिया जाता है कि आवेदक पुलिस अधिकारी के निर्देश पर मेडिकल जांच के लिए उपस्थित रहे। आवेदक सिंगरौली निवासी राजेश चर्माकर की ओर से दलील दी गई कि वह शादीशुदा है और उसकी पहचान साल 2020 में शिकायतकर्ता से हुई थी। उसके पति की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। जिसके बाद दोनों में संबंध स्थापित हो गए और वह भावनात्मक लगाव के कारण आर्थिक रूप से मदद करता था।

हर दिन गायब हो रहीं 40 से ज्यादा बच्चियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश देश में लापता बच्चों के सबसे गंभीर संकट वाले राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 19,131 बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या देश में दर्ज कुल मामलों का लगभग 13 प्रतिशत है। यानी देश में लापता बच्चों के हर आठ मामलों में से एक मामला मध्यप्रदेश से सामने आया है।

राज्य में यह संख्या वर्ष 2023 के 16,017 मामलों की तुलना में करीब 19.44 प्रतिशत अधिक है। बाल अधिकार संगठन क्राई (चाइल्ड राइट्स एंड यू) द्वारा किए गए विश्लेषण में सामने आया है कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 के दौरान प्रतिदिन औसतन 52 बच्चे लापता हुए। इनमें करीब 42 लड़कियां थीं।

रिपोर्ट के अनुसार लापता बच्चों में लड़कियों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी हुई है और कुल मामलों में उनका प्रतिशत लगभग 80 है। राज्य में वर्ष 2024 के दौरान 15,282 लड़कियों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए। इसका अर्थ है कि हर 10 लापता बच्चों में से लगभग आठ लड़कियां हैं। वर्ष 2023 में भी यह अनुपात 78.3 प्रतिशत था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह आंकड़ा किशोरियों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। जिला स्तर के आंकड़ों के अनुसार इंदौर में सबसे अधिक 1,124 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद भोपाल में 726, जबलपुर में 613, सागर में 571, धार में 487 और खरगोन में 467 मामले सामने आए। आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही है।

आठ आईपीएस के ट्रांसफर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आठ अधिकारियों के तबादले करते हुए नई पदस्थापनाएं की हैं। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार आईपीएस अधिकारी आयुष जाखड़ को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला जबलपुर बनाया गया है। वे इससे पहले करेरा (जिला शिवपुरी) में एसडीओपी के रूप में पदस्थ थे। आयुष जाखड़ हाल के दिनों में उस मामले को लेकर चर्चा में रहे थे, जिसमें भाजपा नेता प्रीतम लोधी के बेटे के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद मामला राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना रहा। इसके साथ ही राज्य शासन ने राज्य पुलिस सेवा के 66 अधिकारियों के भी तबादले किए हैं। गृह विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार कुल 74 पुलिस अधिकारियों को नई पदस्थापनाएं और जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिली पर्वतारोही सुश्री अंजना यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को रायसेन जिले के सेमरी गांव की रहने वाली पर्वतारोही बेटी सुश्री अंजना यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री अंजना को उसकी अतुल्नीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि सुश्री अंजना यादव ने हाल ही में विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (कुल 8848.86 मीटर ऊंची) के टॉप पाइंट पर सफलतापूर्वक फतह हासिल कर देश-दुनिया में प्रदेश का नाम रौशन किया है।

आरएसएस को आतंकवादी संगठन कहने पर कांग्रेस नेता गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सारंगपुर, एजेंसी। पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में डिगवाड के रहने वाले कांग्रेस नेता और आईटी सेल जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह चंदेल को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को हिंदू समाज और संघ कार्यकर्ताओं के विरोध जताने और ज्ञापन सौंपने से पहले ही कर दी गई।

यह पूरा मामला फेसबुक पर की गई एक पोस्ट से जुड़ा है। आरोप है कि रघुवीर सिंह चंदेल ने फेसबुक पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि अगर आपके घर का कोई सदस्य आरएसएस की शाखा में नमस्ते वत्सले वगैरह का जाप कर रहा है तो समझिए कि वो आतंकवादी बनने की ट्रेनिंग ले रहा है; ऐसा एक आरएसएस के पूर्व प्रचारक का कहना है, उसका कहना है कि उसने मोहन भागवत के कहने पर कई बम विस्फोट किए। अभी भी वक्त है जागो और इन अंग्रेजों के एजेंटों को पहचानो ये देशभक्ति के नाम पर केवल साम्प्रदायिक दंगे फैलाकर राजनीतिक रोटी सेंकते हैं हिंदुत्व के नाम पर। शुक्रवार को हिंदू समाज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कार्यकर्ता सारंगपुर थाने पहुंचे। उन्होंने थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि इस टिप्पणी से संघ कार्यकर्ताओं के साथ-साथ हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश की गई है।

संपादकीय

नेक्स्ट-जेन फाइटर जेट्स: रडार से बचने की होड़

अमेरिका का F-35 लाइटनिंग II और रूस का Su-57 फेलन लड़ाकू विमान दुनिया के सबसे एडवांस पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में से एक हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुलकर भारत को Su-57 लड़ाकू विमान प्रोग्राम में शामिल होने का ऑफर दिया है। भारत को लेकर चर्चा चल रही है कि वो रूसी स्टील्थ फाइटर जेट का कम से कम 2 स्क्वार्डन खरीद सकता है क्योंकि पाकिस्तान को चीन से J-35A स्टील्थ फाइटर शायद एक-दो वर्षों में मिलने लगेंगे। लिहाजा रूसी एसयू 57 और अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स के बीच तुलना करना जरूर हो जाता है कि युद्ध के मैदान में किस विमान का ज्यादा असर दिख सकता है। हालांकि कागज पर दोनों ही पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर हैं जो अपने अंदर हथियार ले जाने, दुश्मन के रडार से बचने और कई तरह के क्षेत्रों में टारगेट पर हमला करने में सक्षम हैं। फिर भी इन्हें बहुत अलग-अलग प्राथमिकताओं के साथ बनाया गया था। F-35 को स्टील्थ, नेटवर्किंग और युद्धक्षेत्र की जानकारी को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया था जबकि Su-57 में जबरदस्त रफ्तार है, काफी तेजी से मुड़ने की क्षमता यानि मैन्युवरेबिलिटी है और लंबी दूरी की हवाई लड़ाई करने की क्षमता है। स्टील्थ मतलब रडार पर नहीं दिखना। एफ-35 की ये सबसे घातक क्षमता है। इस एयरक्राफ्ट को शुरू से ही इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसका रडार सिग्नेचर कम से कम हो। इसका एयरफ्रेम, इंजन इनलेट, वेपन बे और रडार-एब्जॉर्बेंट कोटिंग मिलकर इसे आसानी से डिटेक्ट न होने लायक बनाते हैं। ओपन-सोर्स अनुमानों के मुताबिक F-35 का रडार क्रॉस-सेक्शन लगभग 0.001 से 0.005 वर्ग मीटर के बीच है। Su-57 में स्टील्थ शेप और रडार-एब्जॉर्बिंग मटीरियल का इस्तेमाल किया गया है लेकिन एयरोडायनामिक परफॉर्मेंस के लिए इसमें कुछ समझौते भी किए गए हैं। ज्यादातर अनुमानों के मुताबिक इसका रडार क्रॉस-सेक्शन F-35 के मुकाबले काफी ज्यादा है। मतलब इसकी स्टील्थ क्षमता कम है। हालांकि Su-57 को Su-35 जैसे पुराने रूसी फाइटर जेट्स के मुकाबले पता लगाना निश्चित रूप से मुश्किल है फिर भी F-35 ज्यादा बेहतर स्टील्थ क्षमता वाला प्लेटफॉर्म बना हुआ है। आधुनिक हवाई युद्ध में अब यह बात ज्यादा मायने रखती है कि कौन किसे पहले देखता है। F-35 का सेंसर सूट, युद्ध के मैदान की एक मिली-जुली तस्वीर बनाने के लिए अपने AN/APG-81 AESA रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टारगेटिंग सिस्टम (EOTS) और डिस्ट्रीब्यूटेड अपर्चर सिस्टम (DAS) से मिली जानकारी को एक साथ मिलाता है। पायलटों को कई सेंसर से मिले डेटा को मैन्युअल रूप से समझने की जरूरत नहीं पड़ती और उन्हें एक स्क्रीन पर सारी जानकारी मिल जाती है। पायलट अक्सर इस सेंसर फ्यूजन क्षमता को ही इस एयरक्राफ्ट की सबसे बड़ी खूबी बताते हैं। Su-57 में N036 Byelka AESA रडार और कई इन्फ्रारेड सर्च-एंड-ट्रैक सिस्टम लगे हैं जिससे इसमें चीजों का पता लगाने की जबरदस्त क्षमता मिलती है। हालांकि इसके सेंसर-फ्यूजन आर्किटेक्चर की बारीकियों और परिपक्वता के बारे में बहुत कम जानकारी है। ज्यादातर एक्सपर्ट्स इस बात से सहमत हैं कि ऑपरेशनल फाइटर एयरक्राफ्ट में हालात की जानकारी (सिचुएशनल अवेयरनेस) के मामले में F-35 अभी एक बेंचमार्क है।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी :

पूस की रात

हल्कू ने घर आकर अपनी पत्नी मुन्नी से कहा, "घर में जो रुपए रखे हैं उसे ले आओ, सहना आया है, उसे दे देता हूं, ताकि उससे पीछा छूटे।" बरामदे में झाड़ू लगा रही मुन्नी ने पलटकर गुस्से से हल्कू को देखा और बोली, "चार रुपए ही तो बचे हैं घर में, अब वो भी सहना को दे दोगे, तो माघ-पूस की कड़कड़ाती ठंड कैसे कटेगी? सहना से कह दो कि अभी पैसे नहीं है, फसल कटने पर दे देंगे।"

हल्कू एक घड़ी सोच में पड़ गया कि मुन्नी की बात भी सही है, कंबल के बिना ठंड काटना मुश्किल हो जाएगा, लेकिन हल्कू उस अड़ियल सहना को जानता था, वो पैसे लिए जाएगा नहीं। हल्कू ने सोचा कि सर्दियों को सर्दियों में देख लेंगे, फिलहाल इस बला से तो पीछा छूटे। हल्कू अपनी पत्नी की ओर बढ़ा और उसके पास जाकर बैठते हुए धीरे से उसकी खुशामद करते हुए बोला, "दे दे ना पैसे, कम से कम यह पीछा तो छोड़ेगा और कंबल के लिए मैं तब तक कोई दूसरा उपाय सोच लूंगा।"

हल्कू की बात सुनकर मुन्नी गुस्सा हो गई। हल्कू को गुस्से से घूरते हुए मुन्नी ने कहा, "तुम तो चुप ही रहो, बताओ जरा कौन-सा उपाय है तुम्हारे पास? ऐसे ही कोई तुम्हें खैरात में कंबल तो देगा नहीं। न जाने कौन-सा कर्ज है, जो कभी चुकता ही नहीं। तुम ना खेती करना छोड़ दो, क्या फायदा खेती का जब फसल होते ही पूरी कमाई कर्ज चुकाने में चली जाए। तुम्हें जो सही लगता है तुम करो, लेकिन मैं तो एक पैसा नहीं दूंगी।"

मुन्नी को गुस्से से लाल होता देख हल्कू उदास हो गया और धीमे से बोला, "तो क्या मैं उसकी गाली खाऊं?" उसकी बात सुनकर मुन्नी का मन पसीज गया और आवाज में थोड़ी नरमी लाते हुए वह बोली, "ऐसे कैसे वह गाली देगा, क्या उसका राज चलता है यहां?" मुन्नी जानती थी कि हल्कू की बात में कड़वी सच्चाई है, इसलिए वह उठी और चुपचाप कमरे से रुपए निकाल कर ले आई और हल्कू को थमाते हुए बोली, "मैं फिर कह रही हूं तुम यह खेती बाड़ी छोड़ दो, मजदूरी करोगे, तो कम से कम किसी की सुननी तो नहीं पड़ेगी और दो वक्त का खाना तो नसीब होगा।"

मुन्नी की बात सुनकर हल्कू चुपचाप सिर झुकाए रुपए लेकर बाहर चला गया। हल्कू उन तीन रुपए की अहमियत जानता था, जिसे उसने पाई-पाई जोड़कर कंबल खरीदने के लिए जमा किए थे। सहना को रुपए थमाते हुए हल्कू के हाथ कांपने लगे, जैसे वह सीने से अपना दिल निकालकर सहना की हथेली में रख रहा हो।

वक्त बीतता गया और पूस की वो कड़कड़ाती सर्द रातें भी आ गईं। आसमान में जैसे चांद-तारे भी ठंड से ठिठुरते लग रहे थे। हल्कू अपने खेत के किनारे बांस व पत्तों से बनाई मचान के नीचे पुरानी-सी चादर ओढ़े कंपकंपाते हुए बैठा था और साथ में उसका कुत्ता जबरा भी उसके साथ था, जो सर्दी के कारण बार-बार कूं-कूं की आवाज निकाले जा रहा था। ठंड इतनी ज्यादा थी कि दोनों की आंखों से नींद कोसों दूर थी।

सर्दी से खुद को बचाने के लिए हल्कू ने अपनी गर्दन को घुटनों से सटाते हुए अपने कुत्ते की ओर देखते हुए कहा, "जब पता था कि यहां इतनी ज्यादा ठंड है, तो क्यों मेरे पीछे-पीछे खेतों में आ गया? घर में होता, तो कम से कम चारदीवारी में इतनी ठंड तो न लगती। अब पड़े रहो ठंड में यहां।" अब जबरा शांत हो गया था, शायद उसे पता चल गया था कि उसके मालिक को कूं-कूं की आवाज से नींद नहीं आ रही है।

इसके बाद हल्कू गर्दन को घुटनों पर सटाए सोचने लगा, "सब किस्मत-किस्मत की बात है, हम यहां ठिठुरते हुए रात काट रहे हैं और वो पैसे वाले बिना कुछ किए ही मजा लूट रहे हैं।" इसके बाद हल्कू ने चिलम भरी और ठिठुरते हुए उसे पीने लगा। हल्कू ने अपने कुत्ते जबरे को देखा और कहने लगा, "आज यह रात किसी तरह काट ले, कल में तेरे लिये यहां पुआल बिछा दूंगा, तब ज्यादा ठंड न लगेगी।"

हल्कू वहीं जमीन पर लेट गया और सोचा कि कुछ देर के लिए आंख मूंद कर सो लूं, लेकिन जैसे ही उसने आंखें बंद की, ठंड की चुभन जैसे पूरे शरीर में सुइयां चुभोने लगीं। कुछ देर करवट बदलने के बाद हल्कू पूस की रात को कोसते हुए उठकर बैठ गया। जब सब कुछ करने के बाद भी ठंड जाने का नाम ही नहीं ले रही थी, तो हल्कू ने पास बैठे अपने कुत्ते को उठाया और उसे गोद में लेकर लेट गया। ठंड से बचने के लिए जबरे के शरीर से आ रही दुर्गंध को भी हल्कू ने नजरअंदाज कर दिया। जबरे को भी गर्माहट मिल रही थी और उसने भी आंखे मूंद ली थी और सोने की कोशिश कर रहा था कि तभी जबरे को कोई आहट सुनाई दी और वो एकदम सावधान की मुद्रा में खड़ा हो गया। जबरा अचानक मचान से बाहर निकला और इधर-उधर दौड़ते हुए जोर-जोर से भौंकने लगा। कुछ देर यहां-वहां भौंकने के बाद जबरा दोबारा हल्कू से सटकर बैठ गया।

ऐसे ही रात का एक और घंटा बीत गया और ठंड कम होने का नाम ही नहीं ले रही थी। हल्कू उठ कर बैठ गया। वो दोनों हाथों से टांगों को कसकर पकड़े हुए घुटनों पर सिर टिकाए बैठा था। ठंड में हल्कू को लगा कि जैसे उसका खून जम गया हो और वह बेबसी से बस सुबह होने का इंतजार करने लगा।

हल्कू के खेत के सामने ही आम का एक बड़ा-सा बाग था, जिसे देखकर वह सोचने लगा कि पतझड़ शुरू हो चुकी है और जरूर इन पेड़ों से पत्तियां झड़ी होंगी, तो क्यों ना इसके सूखे पत्ते लाकर देर तक आग सेंक लूं। हल्कू ने सोचा कि वह पत्तियां उठाने तो चला जाए पर कहीं रात के अंधेरे में उस पर कोई जानवर हमला न कर दे और उसे ऐसे देखकर कोई भूत ना समझ ले।

कुछ देर यूं ही सोचने के बाद हल्कू एकदम से उठा और एक सूखे पौधे को उखाड़ कर उसे मशाल की तरह जला कर पेड़ों की ओर चल पड़ा। अपने मालिक को जाता देख जबरा भी झट से उठ गया और दुम हिलाते हुए हल्कू के पीछे हो लिया। पेड़ों के पास पहुंच कर हल्कू ने उन विशाल पेड़ों को देखा, जो अंधेरे में और भी डरावने लग रहे थे। अपने मन के डर को दबाते हुए हल्कू नीचे झुका और पेड़ों के आसपास पड़ी पत्तियों को बटोरने लगा।

सूखे पत्तों को समेटने की वो आवाज और ठंडी हवा के झोंकों से आ रही पेड़ों की सरसराहट हल्कू को डरा रही थी। ठंड में नंगे पांव पर कंकड़ तो मानों तीर की तरह चुभ रहे थे। उन सब से ध्यान भटकाने के लिए हल्कू ने जबरे से बातें करना शुरू कर दिया और कहने लगा, "लग रही है ना तुझे भी बहुत ठंड, बस थोड़ी-सी पत्तियां और इकट्ठी कर लेते हैं, फिर दोनों खूब आग सेकेंगे।" हल्कू जितनी पत्तियां समेट सकता था समेट ली और मचान की ओर चल पड़ा।

मचान के बाहर पहुंचकर हल्कू ने पत्तियों में आग लगाई। देखते ही देखते आग धधकने लगी और उसकी लपटें पेड़ों को छूने लगीं। हल्कू और जबरा वहीं आग के पास बैठ गए। हल्कू अलाव में कभी अपने हाथ सेंकता, तो कभी पांव, तो कभी आग की ओर पीठ कर बैठ जाता। जबरा भी आग के पास पसर कर लेट गया और उन लपटों को देखने लगा। हल्कू जबरे की ओर देख कर कहने लगा, "कहा था ना मैंने, अलाव जलाते ही ठंड नहीं लगेगी, अब सेंक ले जी भरकर आग।"

कुछ समय बाद वो आग की लपटें जैसे कहीं गुम हो गईं और पत्तियों का ढेर सिमट कर राख में बदल गया। अब तो बस कोई हवा का झोंका आता, तो बची कुची चिंगारी कहीं बीच में लाल-लाल अनार के दानों-सी दिखाई देती। हल्कू राख की थोड़ी-सी गर्माहट में वहीं चादर ओढ़े दुबक कर बैठा हुआ था, लेकिन जैसे-जैसे रात बढ़ती जा रही थी, ठंड उसे और जकड़ने लगी थी। कुछ देर बाद हल्कू वहीं राख के ढेर के पास लेट गया।

हल्कू को नींद आने ही वाली थी कि जबरा फिर से अचानक उठ गया और खेत की ओर जोर-जोर से भौंकने लगा। हल्कू के कानों में भी कुछ आवाजें आ रही थीं, जैसे जानवरों का बड़ा झुंड खेतों में घुस आया हो और उसकी फसल चर रहा हो। जानवरों की हलचल की पूरी आवाजें हल्कू के कानों में पड़ रही थीं। हल्कू आंखें मूंदे ही सोचने लगा कि जबरे के होते हुए आखिर कोई जानवर खेतों में कैसे घुस सकता है, जरूर मुझे कोई धोखा हो रहा होगा।

हल्कू ने आंखें खोले बिना ही जबरे को आवाज लगाई, लेकिन जबरा खेतों की ओर मुंह किए जोर-जोर से भौंकता रहा, पर उसके पास नहीं आया। कुछ देर बाद खेत में चरने की आहटें तेज हो गई और अब हल्कू को पूरा यकीन हो गया कि खेत में जरूर जानवर घुस आए हैं। अपने आलस को झकझोरते हुए हल्कू आधे मन से उठ कर बैठ गया। इस कंपकंपाती ठंड में उठकर खेत में जाना और फिर जानवरों को भगाना उसे बेहद मुश्किल-सा लग रहा था। हल्कू वहीं बैठे-बैठे जबरे को आवाज देने लगा। हल्कू की आवाज सुनकर जबरा और भी जोरों से भौंकने लगा।

खेतों में नीलगाय का झुंड घुस आया था, जो पूरी तैयार फसल को चरने के साथ ही उसे तहस नहस किए जा रहा था। जबरा अपना गला फाड़-फाड़ कर भौंके जा रहा था, जैसे उन्हें वहां से चले जाने को कह रहा हो। इस बार हल्कू ने पक्का इरादा करते हुए खुद को समझाया और चादर को शरीर पर लपेटते हुए खेत की ओर जाने के लिए कदम बढ़ाने लगा। हल्कू कुछ कदम ही चला था कि अचानक तेज हवा के झोंके ने उसके कदम रोक लिए। हल्कू को ऐसा लगा कि जैसे किसी ने सैकड़ों सुइयां उसके शरीर में चुभों दी हों और उसका पूरा शरीर अकड़ गया हो।

हल्कू दौड़ता हुआ राख के ढेर के पास लौट आया और पास पड़ी लकड़ी से उसे कुरेदने लगा, ताकि उसके शरीर को कुछ तो गर्माहट मिले। जबरा खेतों के पास भौंकता रहा और हल्कू उस राख के ढेर के पास सिकुड़ कर बैठा रहा, जैसे उसे किसी ने जकड़ रखा हो। नीलगाय के झुंड ने देखते ही देखते पूरे खेत को तहस नहस कर दिया। हल्कू उसी राख के ढेर के पास चादर ताने सो गया और जानवरों के जाने के बाद जबरा भी हांफते हुए हल्कू के पास आकर बैठ गया।

सुबह जब हल्कू की आंख खुली, तो दिन चढ़ आया था और धूप निकल आई थी। सामने बैठी मुन्नी उसे गुस्से से घूरते हुए जोर-जोर से कह रही थी, "दिन भर सोए रहोगे क्या? उठ कर देखो तो सही, जानवरों ने पूरी फसल का क्या हाल कर दिया? अब हम क्या करेंगे? तुम्हारे रात में खेत में होने का क्या फायदा, अगर चादर तान कर सोना ही था, तो घर पर ही पड़े रहते।"

मुन्नी को चुप होते ना देख हल्कू धीरे उठा और उससे पूछा, "क्या तुम खेत से होकर आ रही हो? क्या सच में हमारी पूरी फसल तबाह हो गई है?" मुन्नी ने गुस्से से जवाब देते हुए कहा, "हां, सब कुछ खत्म हो चुका है, हम तबाह हो चुके हैं।" हल्कू जानता था कि मुन्नी ऐसे चुप न होगी, तो उसने बहाना बनाते हुए कहा, "तुझे तो बस खेत की पड़ी है, मैं यहां रात में मरने से बाल-बाल बचा। रात को मेरे सीने में इतना तेज दर्द उठा की मैं हिल भी न पाया। यह तो मैं ही जानता हूं कि दर्द के साथ मैंने कड़कड़ाती ठंड के बीच रात कैसे काटी है।"

हल्कू की बात सुनकर मुन्नी कुछ न बोली। फिर दोनों खेत के पास आ गए और बुरी तरह रौंदे हुए खेत को देखने लगे। खेत की दुर्दशा देख कर मुन्नी के चेहरे पर उदासी छा गई और वह मन ही मन सोचने लगी कि अब गुजारा कैसे होगा, पर हल्कू के चेहरे पर एक अलग शांति थी। मुन्नी ने चिंता जताते हुए हल्कू से कहा, "लगता है अब मजदूरी करके ही दिन काटने पड़ेंगे।" हल्कू ने चेहरे पर हल्की-सी मुस्कान बिखेरते हुए कहा, "चलो, कम से कम अब इन सर्द रातों में यहां सोना तो नहीं पड़ेगा।"

कहानी से सीख

मजबूरी में इंसान को कई बार न चाहते हुए भी कठिन फैसले लेने पड़ते हैं, जो हमारे भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं। विपदा कभी भी आ सकती है, इसलिए हमेशा चौकस रहना जरूरी है।

New Delhi

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता साफ, दिल्ली पुलिस से मिली मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली पुलिस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की अनुमति दे दी है. 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) ने अपने समर्थकों से जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति मांगने के लिए शनिवार सुबह 9 बजे संसद मार्ग थाने के बाहर एकत्र होने की अपील की थी. इससे पहले विरोध प्रदर्शन के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसके बाद प्रस्तावित प्रदर्शन के रास्ते में कोई कानूनी बाधा नहीं बची है.

जस्टिस सौरभ बनर्जी और जस्टिस अमित शर्मा

की खंडपीठ ने कहा कि याचिका पर नियत समय के अनुसार सुनवाई की जाएगी. विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दिपके ने नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है. वह अमेरिका के बोस्टन से शनिवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करके समर्थकों से किताब और तिरंगा साथ लेकर जंतर-मंतर आने की अपील की.

उन्होंने लिखा, 'लैंडिंग हो गई. जंतर-मंतर पर आप सभी से मिलने का बेसब्री से इंतजार है. किताब और हमारा तिरंगा लाना न भूलें! सहानुभूति और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में पुलिसकर्मियों को फूल भेंट करें.

Uttarpradesh

कानपुर में बुर्का पहनकर निकला मोहित, 18 साल पुराने दोस्त को मार डाला, 5 लाख की चेन और ब्रेसलेट लूटा

कानपुर, (एजेंसी) यूपी के कानपुर में 31 मई की रात कोचिंग संचालक प्रकाश चंद्र गुप्ता की हत्या कर दी गई. पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी, इसी बीच जांच के दौरान सीसीटीवी में बुर्का पहनकर जाती एक महिला की चाल पर पुलिस को शक हुआ. इसके बाद पुलिस ने नए सिरे से जांच शुरू की तो जो सामने आया, वो हैरान कर देने वाला था.

पुलिस का कहना है कि मृतक का दोस्त ही हत्या का आरोपी निकला. इन दोनों की दोस्ती 18 साल से थी. आरोपी खुद भी कोचिंग संचालक रह चुका है. उसने अपने दोस्त के गले में करीब 5 लाख की सोने की चेन देख ली थी, जिसको लेकर उसने वारदात को अंजाम दिया.

दरअसल, 31 मई को आईपीएल का फाइनल था. प्रकाश चंद्र गुप्ता क्रिकेट के शौकीन थे. वे कंप्यूटर कोचिंग चलाते थे. उन्होंने घर में कॉल कर दिया कि आज मैं घर नहीं आऊंगा, मैच देखकर कोचिंग में ही सो जाऊंगा. उनकी शादी नहीं हुई थी. जब सुबह हुई तो घरवालों ने कॉल किया तो कॉल रिसीव नहीं हुआ.

Punjab

पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर बड़ा हादसा, ट्रक और पिकअप की टक्कर में 8 की मौत, 10 से ज्यादा गंभीर

चंडीगढ़, (एजेंसी) पंजाब के फिरोजपुर में एक बड़ा हादसा हुआ है। पिकअप वाहन की ट्रक से टक्कर हो गई है। इस हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं।यह दुर्घटना फिरोजपुर-फाजिल्का सड़क पर जंगावाला मोड़ के पास हुई। पुलिस ने बताया कि पिकअप वाहन में करीब 25 लोग सवार थे और वे जलालाबाद से अमृतसर के ब्यास जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को फरीदकोट के गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि हादसा जंगा वाले मोड़ के पास हुआ। यहां एक पिकअप गाड़ी और घोड़ा ट्राला गुजर रहे थे। दोनों वाहन आमने-सामने आकर सीधे टकरा गए। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक पिकअप वाहन में सवार लोगों के परिवार में बीते दिनों एक मौत हुई थी। ये लोग उसी मृतक की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। पिकअप जंगा वाले मोड़ के पास पहुंचा था, तभी सामने से तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने पिकअप पर जोरदार टक्कर मारी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें बैठे लोग अंदर ही फंस गए।

New Delhi

आसमान से आ रही राहत और आफत! 17 राज्यों में तूफान का अलर्ट, आपके शहर कब पहुंचेगा मॉनसून

नई दिल्ली, (एजेंसी) भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से झुलस रहे उत्तर और मध्य भारत के लिए राहत की बूंदें आखिरकार गिरनी शुरू हो गई हैं। वहीं, दक्षिण भारत में मॉनसून ने अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा जारी किए गए लेटेस्ट बुलेटिन के अनुसार, आने वाले 13 से 24 घंटों के भीतर देश के मौसम में बहुत बड़े और नाटकीय बदलाव देखने को मिलेंगे। एक ओर जहां केरल में मॉनसून की मूसलाधार बारिश रफ्तार पकड़ रही है, वहीं दिल्ली, यूपी और बिहार समेत 17 राज्यों में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले खतरनाक तूफान, आंधी और भारी बारिश का हाई अलर्ट जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा जारी की गई ताजा प्रेस रिलीज और बुलेटिन के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने 4 जून 2026 को केरल में दस्तक दे दी थी और अब यह बेहद तेजी से आगे बढ़ रहा है। मॉनसून ने केरल के लगभग सभी हिस्सों को कवर कर लिया है और अब यह तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में प्रवेश कर चुका है। वर्तमान स्थितिः 6 जून 2026 तक मॉनसून केरल और लक्षद्वीप को पूरी तरह कवर करते हुए कर्नाटक, तमिलनाडु, और गोवा के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। इसके साथ ही यह अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के कई नए हिस्सों तक पहुंच गया है।

खेल

प्रज्ञानानंदा ने रचा इतिहास, नॉर्वे चेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली. भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा (R Praggnanandhaa) ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस का खिताब जीत लिया. फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की और ऐसा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने.

20 साल के चेन्नई के इस खिलाड़ी ने अंतिम दिन की शुरुआत 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान से की थी. लेकिन निर्णायक मुकाबले में क्लासिकल जीत दर्ज कर उन्होंने पूरे तीन अंक हासिल किए और कुल 18 अंकों के साथ खिताब अपने नाम कर लिया. यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि 2013 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद और मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश भी यह खिताब नहीं जीत पाए थे.

प्रज्ञानानंदा दूसरी बार नॉर्वे चेस में खेल रहे थे. छह खिलाड़ियों के इस एलीट टूर्नामेंट में उनकी शुरुआत धीमी रही, लेकिन दूसरे हाफ में उन्होंने शानदार वापसी की. उनके अभियान की सबसे बड़ी खासियत विश्व नंबर-1 और सात बार के नॉर्वे चेस चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल शतरंज में दो बार हराना रहा. यह उपलब्धि उनके जुझारूपन का प्रमाण है, खासकर तब जब इस साल पाफोस में हुए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था.

सिनेमा

खुद को बोल्ड दिखाना नहीं पसंद, ये बोलकर फंसी जाह्नवी कपूर, पेद्दी में हुई ट्रोल

राम चरण की फिल्म पेद्दी, जो एक स्पोर्ट्स-ड्रामा फिल्म है इस समय अपने बोल्ड सीन्स को लेकर सुर्खियों में है. इसमें जाह्नवी कपूर के किरदार को आई-कैंडी की तरह पेश किया गया है, जिसका फिल्म से कोई ताल्लुक नहीं है. उनके अधिकतर सीन्स सिर्फ उनकी फिगर और बॉडी दिखाने पर फोकस रखते हैं. इस वजह से फिल्म के डायरेक्टर पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. जाह्नवी के लिए ये पहली बार नहीं जब फिल्मों में सिर्फ उन्हें एक बोल्ड अवतार में दिखाया गया हो. साउथ की ही फिल्म देवरा हो, या मैडॉक फिल्म्स की परम सुंदरी- इन सभी में उनके कोई ना कोई ऐसे सीन हैं जिसमें डायरेक्टर ने एक्ट्रेस की बॉडी को सेक्शुअलाइज तरीके से दिखाया है. कुछ वक्त पहले जाह्नवी कपूर राज शमानी के पॉडकास्ट में आई थीं, जहां उन्होंने साफ कहा था कि उन्हें फिल्मों में ज्यादा बोल्ड दिखाए जाने वाले सीन्स से तकलीफ है. जाह्नवी का कहना था- मेरा मानना है कि हर स्टेज पर ये पूछना बहुत जरूरी है कि मैंने क्या चीज की सहमति दी थी? उदाहरण के लिए, मैंने परम सुंदरी में भीगी साड़ी नाम का एक गाना किया था, जिसमें मैं भीगी साड़ी पहने हुए थी और काफी सेंशुअल तरीके से डांस कर रही थी. 'उस गाने का मकसद लोगों को एक्साइट करना नहीं था, बल्कि वो एक सेंशुअल गाना था. अगर कोई देखकर कहे कि मुझे इस लड़की पर अट्रैक्शन नहीं है, तो मुझे शायद बुरा लगेगा.

Highlights

1. Such indecorous behaviour is unacceptable: India as students disrupt CJI's London lecture
2. J&K was, is and will remain an integral part: India tells Pakistan 'loud and clear' at UN
3. Over 4,600 Indians deported from US in last 17 months: MEA
4. CBSE gives Class 12 students 24 more hours to apply for re-evaluation amid cyber attacks
5. CBSE files police complaint over cyber attacks, student Sarthak says 'Use cloudflare bro'
6. Coempt gave CBSE cyber certificates that were expired, tied to other client: Report

Small Indian companies are making big mark in AI, 28 firms add $47 billion in value

NEW DElHI, (Agency). Smaller Indian companies linked to data centers and Artificial Intelligence infrastructure have become some of the biggest stock market winners in 2026, though India does not have many major AI software or semiconductor companies.

These companies are benefiting from the huge amount of money being spent worldwide on building AI infrastructure such as data centers, as per a report by the Bloomberg.

The biggest example is Sterlite Technologies Ltd., an optical-fiber company owned by the Vedanta Group. Sterlite Technologies' shares have jumped more than 530% in 2026, stated in the report by Bloomberg. The company received a $1.1 billion multi-year contract from a US-based hyperscaler in May 2026. Sterlite's rival HFCL Ltd. has seen its shares rise 191% this year, according to Bloomberg.

AI stocks lead the rally

MTAR Technologies Ltd., which makes precision cooling and power components, has more than tripled in value this year. Bloomberg tracked 28 Indian companies connected to the data-center supply chain, including makers of transformers, switchgear, wires, cables and cooling equipment. Together, these 28 companies have added around $47 billion in market value in 2026. Their combined market value has increased nearly 50% this year.

Investors in Mumbai have started calling this trend the "AI capex trade". R. Sivakumar, Chief Investment Officer at Axis Mutual Fund, told Bloomberg that India may not be leading the AI software race but could benefit from the spending on AI infrastructure. Sivakumar said investors should look at companies connected to data centers and the wider infrastructure supply chain.

Big tech bets on India

Global technology giants are investing billions of dollars in India's AI and cloud infrastructure. Amazon plans to invest $12.7 billion in cloud infrastructure in India by 2030. Alphabet is investing around $15 billion in an AI infrastructure hub in Visakhapatnam. A joint venture involving Reliance Industries signed an $11 billion agreement in 2025 to build local data centers. AdaniConnex has partnerships with Google and Uber Technologies to help build data centers.

Analysts at Nomura said the biggest opportunity is in companies that supply the equipment needed to build, power and cool data centers, notes Bloomberg from a previous report. Nomura described these suppliers as the "picks and shovels" of the AI boom. Nomura said some components now have delivery waiting periods of two to four years because demand is so high.

This shortage has created a strong seller's market for equipment manufacturers. Nomura said many orders being won today will generate revenue between 2027 and 2029, as cited in the report by Bloomberg.

India has been one of the weaker-performing stock markets globally because it lacks large AI-focused companies and semiconductor manufacturers. However, India's industrial companies are benefiting from the growing need to support global AI infrastructure. Companies such as Hitachi Energy India Ltd.

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक